भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2349

03 अगस्त, 2023 को उत्तर के लिए

एससीएम के अंतर्गत परियोजनाएं

2349. डॉ. जी. रणजीत रेड्डी:

डॉ. वेंकटेश नेता बोरलाकुंता:

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के अंतर्गत तेलंगाना के दो चिन्हित स्मार्ट शहरों में 128 परियोजनाएं स्वीकृत की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह भी सच है कि ग्रेटर वारंगल में 47 और करीमनगर में 33 परियोजनाओं का कार्य पूरा होना लंबित है और

(ग) यदि हां, तो विलंब के क्या कारण हैं और उक्त प्रत्येक परियोजना के कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री कौशल किशोर)

(क) से (ग) : भारत सरकार ने 25 जून 2015 को स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) शुरु किया। जनवरी 2016 से जून 2018 तक प्रतियोगिता के 4 दौर के माध्यम से 100 स्मार्ट शहरों का चयन किया गया है। तेलंगाना राज्य में, 2 शहरों अर्थात ग्रेटर वारंगल और करीमनगर को तेलंगाना स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के लिए चुना गया है। तेलंगाना के स्मार्ट शहरों में वास्तविक और वित्तीय प्रगति का ब्यौरा निम्नलिखित है:-

(राशि करोड़ रुपये में)

तेलंगाना में स्मार्ट सिटीज	जारी निधियां	उपयोग	जारी परियोजनाएं		पूर्ण परियोजनाएं		कुल	
			सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि
ग्रेटर वारंगल	412.00	345.31	41	807.98	38	815.81	79	1,623.79
करीमनगर	507.00	507.00	30	774.99	21	418.16	51	1,193.15
कुल	919.00	852.31	71	1,582.97	59	1,233.97	130	2,816.94

(स्रोत: एससीएम भू-स्थानिक प्रबंधन सूचना प्रणाली (जीएमआईएस) 7 जुलाई 2023 तक)

इन परियोजनाओं में, अन्य बातों के अलावा, एकीकृत नियंत्रण और कमान केंद्र (आईसीसीसी), बाजार पुनर्विकास, क्षेत्रीय पुस्तकालय का पुनर्विकास, मौजूदा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) डंप यार्ड का जैव-खनन, स्मार्ट सड़कें, वर्षा जल संचयन आदि शामिल हैं।

एससीएम के कार्यान्वयन की अवधि जून 2024 तक बढ़ा दी गई है और तेलंगाना सहित सभी स्मार्ट शहरों से निर्धारित समय के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने की अपेक्षा की जाती है।

***